'आदिवासी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां आज भी कारगर'

रांची, विशेष संवाददाता। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र- रांची की ओर से सोमवार को- भारत की स्वदेशी ज्ञान परंपरा का मानव विज्ञान, विषय पर एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इसमें वक्ता के रूप में कोल्हान विवि, चाईबासा के स्नातकोत्तर मानव विज्ञान विभाग क प्राध्यापक डॉ मीनाक्षी मुंडा उपस्थित थीं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आदिवासी समुदायों की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां आज के युग में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता के संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची के क्षेत्रीय निदेशक डॉ कुमार संजय झा ने किया।